गंगा सप्तमी व्रत कथा PDF

पौराणिक काल में भगीरथ नाम के एक पराक्रमी राजा हुआ करते थे। महर्षि कपिल के क्रोध की ज्वाला में भागीरथ के चौंसठ हजार पूर्वज जलकर भस्म हो गए और उन्हें कभी मोक्ष नहीं मिल सका। उनके पूर्वजों को गंगा जल से ही मोक्ष की प्राप्ति हो सकती थी, जिसके लिए देवी गंगा को धरती पर लाना आवश्यक था।

देवी गंगा को धरती पर लाने के लिए भगीरथ ने घोर तपस्या की, जिसे देखकर मां गंगा प्रसन्न हुईं और उनसे वरदान मांगने को कहा। राजा ने माता से पृथ्वी पर आने का अनुरोध किया ताकि उनके पूर्वजों की आत्मा को शांति मिले। मां गंगा धरती पर आने को राजी हो गईं। गंगा माँ ने भागीरथ से कहा कि यदि मैं स्वर्ग को छोड़कर सीधे पृथ्वी पर आती हूं तो पृथ्वी मेरे तेज और शक्ति को सहन नहीं कर पाएगी।

इस समस्या के समाधान के लिए देवी गंगा ने भागीरथ से भगवान शिव की पूजा करने को कहा। भगीरथ शिव की भक्ति में पूरी तरह से लीन हो गए और इससे प्रसन्न होकर स्वयं महादेव उनके सामने प्रकट हुए। जब भगवान शिव ने उनसे वरदान मांगने को कहा तो उन्होंने अपनी समस्या बताई।

pdfinbox.com